

**चिट्टू स्त्री.** (देश.) सफेद, धवल, श्वेत 2. गोरा, गोरा-चिट्टा।

**चिट्ठा पुं.** (देश.) 1. हिसाब की बही, खाता, लेखा 2. जमा खर्च लेने-देने की किताब 3. रसद 4. खर्च की सूची 5. वर्ष भर के नफा-नुकसान को दर्शाने वाला आय-व्यय का ब्यौरा (विवरण) 6. वह रुपया जो दैनिक साप्ताहिक अथवा मासिक वेतन के रूप में बाँटा जाता है मुहा. कच्चा चिट्ठा लिखना- पूर्ण और ठीक-ठीक पूरा वृत्तांत जानना या रखना; कच्चा चिट्ठा खोलना- पूर्ण विवरण के साथ गुप्त बातों को प्रकट करना।

**चिट्ठी स्त्री.** (देश.) 1. पत्र, खत अर्थात् वह कागज जिस पर एक स्थान से दूसरे स्थान को भेजने के लिए समाचार आदि लिखा जाता है 2. वह छोटा पुरजा जो किसी माल विशेषतः कपड़े आदि के साथ रहता है और जिस पर उस माल की कीमत लिखी होती है 3. आज्ञा-पत्र 4. निमंत्रण पत्र 5. किसी माल को पाने वाले अथवा किसी काम के करने वाले अधिकारी को निश्चित करने की क्रिया।

**चिट्ठी-पत्री स्त्री.** (देश.) 1. पत्र, खत 2. पत्र-व्यवहार 3. खत-खिताबत।

**चिड़ स्त्री.** (तत्.) चिड़िया, चिड़ (चिढ़) स्त्री. (देश.) क्रोध, कुढ़न, अरुचि।

**चिड़चिड़ा वि.** (देश.) 1. तुनकमिजाज 2. शीघ्र ही चिढ़ने वाला।

**चिड़चिड़ाना अ.क्रि.** (देश.) 1. गठीली लकड़ी, पानी मिले हुए तेल या घी आदि के जलने पर 'चिड़-चिड़' शब्द होना 2. सूखकर जगह-जगह से फटना 3. खरा होना 4. दरकना 5. चिढ़ना, बिगड़ना, झुंझलाना, क्रोध से बोल उठना उदा. जाड़े की हवा से होंठ चिड़चिड़ा गए हैं 2. बात-बात पर रमेश का चिड़चिड़ाना शोभा नहीं देता, वह तो बड़ा आदमी है।

**चिड़वा पुं.** (तद्.) हरे भिगोए या कुछ उबाले हुए धान को भाड़ में भूनकर तथा बाद में कूटकर बनाया हुआ चिपटा (चावल का) दाना, "चिड़वा" या "चिउड़ा"।

**चिड़ा पुं.** (देश.) गौरा पक्षी, गौरैया का नर पक्षी।

**चिड़ाना क्रि.स.** (तद्.) दे. चिढ़ाना।

**चिड़िया स्त्री.** (तद्.) 1. आकाश में उड़ने वाला जीव, पंछी (पक्षी), पखेरू 2. अंगिया की वह सीवन जिससे कटोरियाँ मिली रहती हैं 3. पाजामे या लहंगे का नली की तरह का वह भाग जो पोला होता है और नाड़ा या इजारबंद पड़ा रहता है 4. ताश का एक रंग जिसमें तीन गोल पंखुरियों की बूटी बनी होती है, 'चिड़ी'।

**चिड़ियाखाना पुं.** (फा.) वह आवास, घर या स्थान जहाँ अनेक प्रकार के पक्षी तथा पशु देखने के लिए रखे जाते हैं, पक्षीशाला।

**चिड़ियाघर पुं.** (तद्.) दे. चिड़ियाखाना।

**चिड़ी स्त्री.** (देश.) दे. चिड़िया।

**चिड़ीमार पुं.** (देश.) 1. बहेलिया, व्याध 2. शिकारी।

**चिढ़ स्त्री.** (देश.) 1. चिढ़ने का भाव, क्रोध से युक्त घृणा, विरक्ति 2. अप्रसन्नता, कुढ़न मुहा. चिढ़ निकालना- अप्रसन्नता की स्थिति में ऐसी बात कह डालना जिससे कोई चिढ़े या अप्रसन्न हो।

**चिढ़ना अ.क्रि.** (देश.) 1. नाराज होना, अप्रसन्न होना, खीझना, कुढ़ना, झल्लाना 2. द्वेष करना या रखना, बुरा मानना।

**चिढ़ाना अ.क्रि.** (देश.) 1. नाराज करना, अप्रसन्न करना, खिजाना 2. किसी को कुढ़ाने के लिए मुँह बनाना, हाथ-मुँह मटकाना या कोई अन्य कायिक चेष्टा करना, किसी की नकल उतारना या करना।

**चित वि.** (तत्.) पीठ के बल पड़ा हुआ, पट का उलटा, इस तरह लेटा या पड़ा हुआ जिसमें वक्षस्थल (छाती) ऊपरी ओर हो मुहा. चित्त करना- कुश्ती में पछाड़ना, उलटना; चारों खाने चित्त- हाथ-पैर फैलाकर बिलकुल पीठ के बल पड़ा हुआ, पूर्णतः पराजित, हारा हुआ; चित देना (लगाना)- ध्यान देना, मन लगाना।

**चितकबरा वि.** (तत्.) सफेद रंग पर काले, लाल, या पीले दागों वाला, रंगबिरंगा, कबरा, चितला